यूपी प्रतिनिधिमंडल ने जापान में सेमीकंडक्टर, दुर्लभ-पृथ्वी खनिज, फार्मा और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग में रणनीतिक साझेदारियों की संभावनाएं तलाशीं

जैव-नवाचार, फार्मा, रेयर अर्थ और ईवी तकनीक में सहयोग को लेकर उत्तर प्रदेश की जापान में बड़ी पहल

ओसाका/लखनऊ, 30 जुलाई 2025: उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश और नवाचार को आकर्षित करने के उद्देश्य से, सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान दौरे पर है। माननीय मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी के नेतृत्व में इस प्रतिनिधिमंडल में इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्री विजय किरण आनंद और यूपीनेडा के निदेशक श्री इंदरजीत सिंह समेत अन्य अधिकारी भी शामिल है। इस प्रतिनिधिमंडल ने आज जापान में उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए रणनीतिक बैठकें कीं।

ओसाका में प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख बैठकें:

प्रतिनिधिमंडल ने कंसाई फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (KPIA) के निदेशक डॉ. हयाशी योशिकाजु सहित वरिष्ठ प्रतिनिधियों से सकारात्मक चर्चा की। बातचीत में नई दवाओं के विकास, मेडिकल डिवाइसेज़ और क्लीनिकल रिसर्च में सहयोग पर चर्चा हुई। उत्तर प्रदेश के फार्मा और मेडिकल डिवाइसेज़ पार्क, सेमीकंडक्टर नीति, और एफडीआई एवं एफसीआई नीति-2023 के बारे में भी प्रस्तुति दी गई। केपीआईए ने जैव-नवाचार में तकनीक और ज्ञान के आदान-प्रदान के माध्यम से सहयोग में रुचि दिखाई। जीन-आधारित दवाओं पर विशेष जोर दिया गया और राज्य में एक **बायो-इनोवेशन क्लस्टर** स्थापित करने का प्रस्ताव भी सामने आया।

तकनीकी सहयोग पर गहन वार्ता:

ओसाका स्थित *नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इवैल्युएशन NITE-* (एनआईटीई) और *एनएलएबी* वार्ता में जापान में भारत के महावाणिज्य दूत श्री चंद्रु अपार के साथ इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री विजय किरण आनंद, पहुंचे। उन्होंने उत्तर प्रदेश की **वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति** का प्रस्तुतीकरण किया, जिसमें राज्य में जीसीसी स्थापित करने के लिए मिलने वाले प्रोत्साहनों को रेखांकित किया गया। चर्चा में टेक्नोलॉजी हस्तांतरण, एप्लाइड रिसर्च, और *सेंटर ऑफ एक्सीलेंस* की स्थापना जैसे विषय भी शामिल थे। विशेष रूप से हाई-टेक ईवी बैटरी मैन्युफैक्चरिंग और टेस्टिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर में संयुक्त पहल पर जोर रहा।

दुर्लभ-पृथ्वी खनिज और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं:

टोक्यो में प्रतिनिधिमंडल ने *तानाका इलेक्ट्रिक कंपनी लिमिटेड* के चेयरमैन श्री टेकेओ तानाका और उनकी टीम के साथ मुलाकात की। चर्चा का केंद्रबिंदु दुर्लभ-पृथ्वी खनिज, सेमीकंडक्टर और प्रिसिशन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग में निवेश रहा। विशेष तौर पर *नीयर-नेट शेप्ड रेयर अर्थ मैग्नेट फैब्रिकेशन* तकनीक—जो कम वेस्टेज और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करती है—पर विचार-विमर्श हुआ। यह तकनीक एनडीएफईबी (NdFeB) और एसएमसीओ (SmCo) जैसे हाई-परफॉर्मेंस मैग्नेट बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो ई-मोबिलिटी, क्लीन एनर्जी और डिफेंस

सेक्टर के लिए उपयोगी हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की भूमिका को वैश्विक स्तर पर उभरते केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया।

मेडटेक और स्टार्टअप्स में साझेदारी के नए द्वार खुले:

ओसाका के *नकानोशिमा क्यूरॉस* में इन्वेस्ट यूपी के नेतृत्व में उच्चस्तरीय बैठकों का आयोजन हुआ, जहां ***असाही इंटेक*** -मेडिकल डिवाइसेज़ में अग्रणी और *लिंक-जे* -लाइफ साइंस नेटवर्क कंपनी के साथ विचार-विमर्श किया गया। इन बैठकों से मेडटेक इनोवेशन और स्टार्टअप इनक्यूबेशन के क्षेत्र में सहयोग के नए अवसर खुले।

कौशल विकास और तकनीकी सहयोग की दिशा में पहल:

प्रतिनिधिमंडल की *मोराबू हानशिन* कंपनी के साथ हुई बैठक में उत्तर प्रदेश से कुशल कार्यबल को नौकरी और कौशल विकास और टेक्नोलॉजी एक्सचेंज जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जो राज्य की उच्च-मूल्य निवेश आकर्षित करने और वैश्विक औद्योगिक कनेक्ट विकसित करने की नीति के अनुरूप है।